शुक्रवार, 03 अप्रैल, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

शानदार करियर पर लगा पूर्ण विराम

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

कृष का गाना सुनेगा वाले की किस्मत पलटी

Page-05

CM पद को लेकर सियासी हलचल तेज

बिहार की राजनीति में बड़ा बदलाव तय

- नेतृत्व परिवर्तन को लेकर सभी दलों की नजरें टिकीं
- गठबंधन में संतुलन साधने की कवायद

बिहार के लिए यह महीना काफी महत्वपूर्ण है.इसी महीने 10 अप्रैल को नीतीश कुमार राज्यसभा के लिए शपथ लेंगे और बाद में बिहार के मुख्यमंत्री पद से उनका इस्तीफा होगा और बिहार को नया मुख्यमंत्री मिलेगा.चुंकि बीजेपी की संख्या बिहार विधानसभा में अधिक है इसलिए बीजेपी ने मुख्यमंत्री पद पर अपना दावा किया जिसे जेडीयू ने स्वीकार कर लिया गया.अब सबसे बड़ा सवाल है कि बिहार का मुख्यमंत्री कौन होगा और बाकी चीजों को कैसे बांटा जाएगा और इस सब में नीतीश कुमार की क्या भूमिका होगी ? जदयू के सूत्रों की माने तो बिना नीतीश कुमार की सहमति के बीजेपी बिहार में अपना मुख्यमंत्री नहीं बना सकती है.यह नहीं हो सकता कि बीजेपी मध्यप्रदेश,राजस्थान, छत्तीसगढ़ और ओडिशा की तरह अपना मुख्यमंत्री बना ले. इसका मतलब ये हुआ कि बीजेपी को बिहार में अपना मुख्यमंत्री बनाने से पहले नीतीश कुमार से विचार विमर्श करना होगा और उनकी मूक सहमति के बाद ही मुख्यमंत्री शपथ ले पाएंगे.इसका मतलब ये है कि भले ही नीतीश कुमार आने वाले दिनों में बिहार का मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे मगर उनके रुतबे में कोई कमी नहीं होगी.वजह साफ है जदयू का कहना है कि बिहार में बीजेपी की नहीं एनडीए की सरकार है और एनडीए की जीत में नीतीश कुमार की सबसे अहम भूमिका है क्योंकि उन्हीं के नेतृत्व में चुनाव लड़ा गया और जनता ने उनके चेहरे पर भरोसा जताया.

जदयू सूत्रों के मुताबिक दो उपमुख्यमंत्री उन्हीं के पार्टी से होगा जिसमें से एक नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार होंगे.अब बात आती है विधानसभा अध्यक्ष की .बिहार में होता यह आया है कि जिस पार्टी का मुख्यमंत्री होता है उसका विधानसभा अध्यक्ष नहीं बनता है. अभी बीजेपी के प्रेम कुमार बिहार विधानसभा के अध्यक्ष हैं मगर अभी यह तय नहीं हो पाया है कि बीजेपी का मुख्यमंत्री बनने की हालत में यह पद जदयू को मिलेगा या नहीं.इस पद को लेकर जदयू और बीजेपी में बातचीत चल रही है.यदि बीजेपी विधानसभा का अध्यक्ष पद नहीं छोड़ती है तो विधान परिषद के अध्यक्ष का पद जदयू को मिलेगा . अभी बीजेपी के अवधेश नारायण सिंह विधान परिषद के अध्यक्ष हैं.जदयू सूत्रों के मुताबिक नीतीश कुमार भले ही राज्यसभा में चुन कर आ जाएंगे मगर वो दिल्ली में नहीं रहेंगे वो पटना में रहेंगे और निशांत को राजनीति के लिए तैयार करेंगे क्योंकि जदयू को यदि बिहार की राजनीति में बने रहना है तो निशांत को जल्द ही आगे लाना होगा. क्योंकि आर सी पी सिंह को एक वक्त में नीतीश कुमार ने अपना उत्तराधिकारी बनाया था, मगर ये परीक्षण सफल नहीं हो पाया और उसके बाद नीतीश कुमार ने किसी और को अपना उत्तराधिकारी नहीं बनाया.

पद छोड़ते ही बढ़ेगा नीतीश का सिक्योरिटी कवच

बिहार के लिए यह महीना काफी महत्वपूर्ण है.इसी महीने 10 अप्रैल को नीतीश कुमार राज्यसभा के लिए शपथ लेंगे और बाद में बिहार के मुख्यमंत्री पद से उनका इस्तीफा होगा और बिहार को नया मुख्यमंत्री मिलेगा.चुंकि बीजेपी की संख्या बिहार विधानसभा में अधिक है इसलिए बीजेपी ने मुख्यमंत्री पद पर अपना दावा किया जिसे जेडीयू ने स्वीकार कर लिया गया.अब सबसे बड़ा सवाल है कि बिहार का मुख्यमंत्री कौन होगा और बाकी चीजों को कैसे बांटा जाएगा और इस सब में नीतीश कुमार की क्या भूमिका होगी ? जदयू के सूत्रों की माने तो बिना नीतीश कुमार की सहमति के बीजेपी बिहार में अपना मुख्यमंत्री नहीं बना सकती है.यह नहीं हो सकता कि बीजेपी मध्यप्रदेश,राजस्थान, छत्तीसगढ़ और ओडिशा की तरह अपना मुख्यमंत्री बना ले. इसकी वजह से बदली परिस्थिति में जदयू में नीतीश कुमार के बाद कौन के नाम पर शून्य की स्थिति है.जदयू सूत्रों का कहना है कि अब जो मुख्यमंत्री बनेगा उसकी तुलना अब नीतीश कुमार के कार्यकाल से की जाएगी जो एक नया मापदंड होगा.अब आप लालू राबड़ी के कार्यकाल या जंगलराज का जिक्र करके बच नहीं सकते आपको नीतीश कुमार की तरह का ही सरकार चला कर दिखाना होगा जहां विकास के साथ सामाजिक सौहार्द का वातावरण इतने सालों तक बना रहा.

बंगाल में 'सुपर राष्ट्रपति शासन' को लेकर सियासी घमासान

मालदा कांड पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का बयान सामने आया है. उन्होंने कहा है कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि मालदा जिले में सात न्यायिक अधिकारियों को पूरी रात बंधक बनाकर रखा गया था. सीएम ममता ने शिकायत की कि इस महीने होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले चुनाव आयोग द्वारा प्रशासन में शीर्ष-स्तरीय बदलाव लागू किए जाने के बाद अब उन्हें राज्य की मशीनरी पर अपना कंट्रोल महसूस नहीं होता. मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें इस घटना की जानकारी आधी रात को एक पत्रकार से मिली.

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुर्शिदाबाद की एक रैली में अपना पक्ष रखते हुए प्रशासन पर नियंत्रण न होने की बात कही. मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें इस घटना की जानकारी आधी रात को एक पत्रकार से मिली. उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने राज्य की मशीनरी पर पूरी तरह कब्जा कर लिया है और वे गृह मंत्री अमित शाह के निर्देशों पर काम कर रहे हैं. ममता ने इसे 'सुपर राष्ट्रपति शासन' करार दिया. बनर्जी के अनुसार, उनकी शक्तियां छीन ली गई हैं और आयोग कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पूरी तरह विफल रहा है.

भारत भी शामिल होगा

अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा मिशन में

ईरान-इजरायल युद्ध के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है. खबर ये है कि भारत अब यूके की उस पहल में शामिल होगा जिसके तहत वह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से सुरक्षित मार्ग बनाने पर काम कर रहा है.MEA के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा है कि UK की तरफ से कई देशों को स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज पर बातचीत के लिए बुलाया गया है, जिसमें भारत भी शामिल है. हमारी तरफ से, विदेश सचिव आज शाम इस बैठक में शामिल हो रहे हैं. उन्होंने आगे कहा कि हम ईरान और वहां के दूसरे देशों के संपर्क में हैं ताकि यह देख सकें कि हम अपने जहाज़ों के लिए बिना किसी रुकावट के और सुरक्षित आवागमन कैसे सुनिश्चित कर सकते हैं. इन जहाज़ों में LPG, LNG और अन्य सामान ले जाया जा रहा है. पिछले कुछ दिनों में हुई बातचीत के ज़रिए, हमारे छह भारतीय जहाज़ स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज़ को सुरक्षित रूप से पार करने में सफल रहे हैं, और हम संबंधित पक्षों के संपर्क में बने हुए हैं. आपको बता दें कि दुनिया में कच्चे तेल और गैस की सप्लाई का ये प्रमुख समुद्री मार्ग है. ऐसे में इसके ठप होने से तमाम देशों का दम फूल रहा है. साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहरा संकट मंडरा रहा है. गंभीर होती स्थिति के बीच होर्मुज स्ट्रेट खोलने के उपायों पर गुरुवार को 35 देश मिल बैठकर मंथन करेंगे. गौर करने की बात ये है कि इसमें अमेरिका शामिल नहीं है. स्ट्रेट ऑफ होर्मुज समिट वर्चुअली होगी. अध्यक्षता यूके के विदेश मंत्री करेंगे. इसमें 35 देश जुट रहे हैं. पूरी लिस्ट हालांकि रणनीतिक कारणों से जारी नहीं की गई है, लेकिन जिन प्रमुख भागीदारों के नाम सामने आए हैं, उनमें यूके, फ्रांस के अलावा जर्मनी, इटली, नीदरलैंड, जापान, कनाडा, दक्षिण कोरिया शामिल हैं. इनके अलावा यूएई, बहरीन और ओमान भी शामिल हो सकते हैं. अन्य सहयोगी देशों में ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन, फिनलैंड और नाइजीरिया जैसे देशों का नाम सामने आ रहा है.

US-इजरायल हमले में ईरान का सबसे ऊंचा B1 पुल तबाह

ईरान-इजरायल के बीच बीते एक महीने से ज्यादा समय से जारी है. इस युद्ध के दौरान दोनों तरफ से लगातार एक दूसरे पर हमले हो रहे हैं. अमेरिका और इजरायल जहां ईरान को निशाना बना रहा है वहीं ईरान भी जवाबी हमले कर रहा है. गुरुवार को अमेरिका और इजरायल ने ईरान एक बड़ा हमला करते हुए उसके B1 ब्रिज को तबाह कर दिया है. इस हमले के बाद इलाके में बिजली गुल हो गई. आपको बता दें कि जिस ब्रिज को अमेरिका और इजरायल ने अपने हमले में तोड़ दिया है वो मिडिल ईस्ट का सबसे ऊंचा ब्रिज था. ये ब्रिज ईरान के करज में स्थित था. इसे बनाने में 400 मिलियन यूएस डॉलर का खर्च आया है. यह पुल 1050 मीटर लंबा और इसमें कुल आठ खंड थे. इस पर हुए हमले को लेकर ईरान की मीडिया ने एक सोशल मीडिया पोस्ट भी किया है. इस पोस्ट में लिखा गया है कि अमेरिका-इजरायल के दुश्मन ने ईरान के B1 पुल को निशाना बनाया – जो अल्बोर्ज़ प्रांत में इंजीनियरिंग की एक बड़ी उपलब्धि और एक अहम इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट है. यह पुल, जिसका काम लगभग पूरा होने वाला था, इस हमले में क्षतिग्रस्त हो गया, और कई इलाकों में बिजली गुल होने की खबरें मिलीं. इस सोशल मीडिया पोस्ट में प्रेस टीवी की तरफ से कुछ तस्वीरें भी साझा की गई हैं. जो दिखाती हैं कि अमेरिका और इजरायल का वो हमला कितना खौफनाक था.इन तस्वीरों में दिख रहा है कि इस हमले में B1 ब्रिज का एक बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है.

हिन्दी जगत महामंच

www.tvbharatvarsh.in

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर

प्रदेश का नं. 1 प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई-पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2 - 3)	फुल पेज (कवर 4 - अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियन का अमेरिकी जनता को संदेश, 'कोई शत्रुता नहीं'

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियन ने अमेरिकी जनता को संबोधित करते हुए कहा कि ईरान किसी के लिए खतरा नहीं है और उसने कभी युद्ध की शुरुआत नहीं की। उन्होंने आरोप लगाया कि ईरान को खतरे के रूप में दिखाना राजनीतिक रणनीति है, जबकि देश केवल आत्मरक्षा और शांति की नीति अपनाता है।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियन ने अमेरिकी जनता को संबोधित एक खुले पत्र में कहा है कि ईरान का आम अमेरिकियों के प्रति कोई शत्रुतापूर्ण रवैया नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान को वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरे के रूप में प्रस्तुत करना न तो ऐतिहासिक तथ्यों के अनुरूप है और न ही वर्तमान वास्तविकता को दर्शाता है। उनके अनुसार, यह धारणा राजनीतिक और आर्थिक हितों के चलते गढ़ी गई है। राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियन ने अपने पत्र की शुरुआत उन लोगों को संबोधित करते हुए की, जो "विकृतियों और मनगढ़ंत कहानियों" के बीच सत्य की खोज में लगे हैं। उन्होंने कहा कि ईरान विश्व की सबसे प्राचीन निरंतर सभ्यताओं में से एक है, जिसकी पहचान शांति, सांस्कृतिक समृद्धि और संतुलन पर आधारित रही है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐतिहासिक और भौगोलिक रूप से महत्वपूर्ण स्थिति में होने के बावजूद, ईरान ने कभी भी आक्रामकता, विस्तारवाद या उपनिवेशवाद का रास्ता नहीं अपनाया। उन्होंने अपने वक्तव्य में स्पष्ट किया कि आधुनिक इतिहास में ईरान ने किसी भी युद्ध की शुरुआत नहीं की है। हालांकि, देश ने कई बार विदेशी आक्रमणों और बाहरी दबावों का सामना किया है। इन परिस्थितियों में ईरान ने हमेशा आत्मरक्षा के सिद्धांत का पालन करते हुए प्रतिक्रिया दी और अपनी संप्रभुता की रक्षा की। राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान के पास सैन्य रूप से सक्षम होने के बावजूद उसने कभी भी अपने पड़ोसियों या अन्य देशों पर आक्रमण नहीं किया।मसूद पेज़ेश्कियन ने यह भी रेखांकित किया कि ईरानी समाज में एक गहरी सांस्कृतिक समझ है, जिसमें सरकारों और आम लोगों के बीच स्पष्ट अंतर किया जाता है। यही कारण है कि ईरान के लोग अन्य देशों के नागरिकों, विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप और पड़ोसी देशों के लोगों के प्रति शत्रुता नहीं रखते। उन्होंने इसे ईरानी संस्कृति और सामूहिक चेतना का मूल सिद्धांत बताया। राष्ट्रपति ने आरोप लगाया कि ईरान को खतरे के रूप में प्रस्तुत करना वैश्विक शक्तियों की एक रणनीति है। उनके अनुसार, इस तरह की छवि गढ़ने का उद्देश्य सैन्य दबाव को उचित ठहराना, हथियार उद्योग को बढ़ावा देना और रणनीतिक क्षेत्रों पर नियंत्रण बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि यदि कोई वास्तविक खतरा मौजूद नहीं होता, तो उसे कृत्रिम रूप से निर्मित किया जाता है।अपने पत्र में उन्होंने अमेरिकी सैन्य उपस्थिति पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपनी अधिकांश सैन्य ताकत और ठिकानों को ईरान के आसपास केंद्रित कर रखा है, जबकि ईरान ने कभी अमेरिका के खिलाफ युद्ध नहीं छेड़ा। उन्होंने हालिया अमेरिकी सैन्य कार्रवाइयों का उल्लेख करते हुए कहा कि इस तरह की गतिविधियां क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरा पैदा करती हैं। अंत में, राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियन ने स्पष्ट किया कि ईरान अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से आत्मरक्षा पर आधारित एक वैध और योजनाबद्ध कदम है, न कि किसी प्रकार की आक्रामक नीति का हिस्सा। उन्होंने दोहराया कि ईरान की नीतियां शांति, स्थिरता और संतुलन बनाए रखने की दिशा में केंद्रित हैं और देश किसी भी प्रकार के युद्ध या संघर्ष की शुरुआत में विश्वास नहीं करता।

बगदाद में हमले का खतरा, अमेरिकी दूतावास की आपात चेतावनी

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिकी दूतावास ने गुरुवार को एक आपातकालीन सुरक्षा चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि ईरान समर्थित मिलिशिया समूह अगले 24 से 48 घंटों के भीतर मध्य बगदाद में हमले कर सकते हैं। दूतावास के अनुसार संभावित हमलों के निशाने पर अमेरिकी नागरिक, व्यवसायिक प्रतिष्ठान, विश्वविद्यालय, राजनयिक सुविधाएं, ऊर्जा अवसंरचना, होटल और हवाई अड्डे जैसे स्थान हो सकते हैं, जिन्हें अमेरिका से जुड़ा माना जाता है।दूतावास द्वारा जारी बयान में अपहरण के बढ़ते खतरे को लेकर भी गंभीर चिंता जताई गई है। चेतावनी में कहा गया है कि आतंकवादी समूहों ने विशेष रूप से अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाने की योजना बनाई है। इसके साथ ही यह भी आशंका जताई गई है कि कुछ ईरान समर्थित मिलिशिया समूह खुद को इराकी सरकारी कर्मचारी बताकर पहचान छिपा सकते हैं, जिससे खतरा और बढ़ जाता है। दूतावास ने इराकी सरकार की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाए हैं। बयान में कहा गया कि इराकी प्रशासन अपने क्षेत्र में या वहां से होने वाले संभावित आतंकवादी हमलों को रोकने में विफल रहा है। हालांकि, बढ़ते खतरे के बावजूद बगदाद स्थित दूतावास सीमित स्तर पर कार्यरत है और अमेरिकी नागरिकों को सहायता प्रदान कर रहा है।सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए दूतावास ने अमेरिकी नागरिकों को बगदाद स्थित राजनयिक परिसरों और एरबिल के वाणिज्य दूतावास जाने से बचने की सख्त सलाह दी है। साथ ही, अमेरिकी विदेश विभाग की 'लेवल 4: यात्रा न करें' एडवाइजरी को दोहराते हुए कहा गया है कि किसी भी परिस्थिति में इराक की यात्रा न करें। दूतावास ने स्पष्ट रूप से कहा, "यदि आप पहले से इराक में मौजूद हैं, तो तुरंत देश छोड़ दें।"

पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत का राहत अभियान तेज

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच भारत सरकार ने अपने नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए बड़े स्तर पर अभियान चलाया है। विदेश मंत्रालय (MEA) ने गुरुवार को जानकारी दी कि ईरान से 1,200 से अधिक भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। इनमें 845 छात्र शामिल हैं, जो संकट के दौरान वहां फंसे हुए थे।राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि निकासी अभियान आर्मेनिया और अज़रबैजान के रास्ते संचालित किया जा रहा है। उनके अनुसार, अब तक 996 भारतीय नागरिक आर्मेनिया और 204 अज़रबैजान पहुंच चुके हैं, जहां भारतीय दूतावासों द्वारा उन्हें आवश्यक सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार जमीनी स्तर पर सभी प्रयासों का समन्वय कर रही है ताकि नागरिकों की सुरक्षित और शीघ्र वापसी सुनिश्चित हो सके।जायसवाल ने यह भी बताया कि पारगमन में रह रहे नागरिकों के लिए भोजन, आवास और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। विदेश मंत्रालय स्थानीय प्रशासन और दोनों देशों में स्थित भारतीय मिशनों के साथ मिलकर लगातार निगरानी बनाए हुए है।इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया में बिगड़ते हालात को लेकर वैश्विक नेताओं से संवाद तेज कर दिया है। 28 मार्च को उन्होंने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से बातचीत की, जिसमें क्षेत्रीय सुरक्षा, ऊर्जा अवसंरचना पर हमलों और समुद्री मार्गों की सुरक्षा जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाए जाने की कड़ी निंदा की।विदेश मंत्रालय के अनुसार, अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के चलते अब तक 6 लाख से अधिक यात्री भारत लौट चुके हैं। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि विदेशों में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा और कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

नाटो पर बयान को लेकर टकराव

पोलैंड के प्रधानमंत्री का ट्रंप पर तीखा प्रहार

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

डोनाल्ड टस्क ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि नाटो को कमजोर करने और यूरोप को ऊर्जा संकट की ओर धकेलने वाली बातें रूस के रणनीतिक हितों से मेल खाती हैं। टस्क की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब ट्रंप ने नाटो की उपयोगिता पर सवाल उठाते हुए संकेत दिया था कि अमेरिका इस 32 सदस्यीय सैन्य गठबंधन से अलग होने पर विचार कर सकता है। टस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए बिना ट्रंप का नाम लिए कहा कि नाटो को तोड़ने की धमकी, रूस पर लगे प्रतिबंधों में ढील, यूरोप में ऊर्जा संकट पैदा करना और यूक्रेन को सहायता रोकना—ये सभी कदम रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की रणनीति के अनुरूप प्रतीत होते हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन द्वारा कीव को दिए जाने वाले ऋण को रोकना भी इसी दिशा में संकेत देता है।

टस्क के अनुसार, इस तरह की नीतियां यूरोप की सुरक्षा व्यवस्था को कमजोर कर सकती हैं और रूस को अप्रत्यक्ष रूप से लाभ पहुंचा सकती हैं।

'ऑपरेशन एपिक फ्युरी' में बड़ी सफलता का दावा,

ट्रंप का राष्ट्र को संबोधन

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्र के नाम अपने प्राइम-टाइम संबोधन में 'ऑपरेशन एपिक फ्युरी' को बड़ी सैन्य सफलता बताते हुए दावा किया कि इस अभियान के तहत ईरान की सैन्य क्षमताओं को गंभीर नुकसान पहुंचाया गया है। उन्होंने कहा कि बीते एक महीने में चली कार्रवाई से ईरान की नौसेना, वायुसेना, मिसाइल और ड्रोन तंत्र को काफी हद तक निष्क्रिय कर दिया गया है। साथ ही, कथित परमाणु ठिकानों और हथियार निर्माण से जुड़े ढांचे को भी निशाना बनाया गया है।व्हाइट हाउस से दिए गए इस संबोधन में ट्रंप ने स्पष्ट किया कि यह सैन्य अभियान किसी संसाधन, विशेषकर तेल, पर कब्जा करने के उद्देश्य से नहीं चलाया गया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका को ईरान के प्राकृतिक संसाधनों की आवश्यकता नहीं है, बल्कि यह कार्रवाई केवल अपने सहयोगी देशों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए की गई है। ट्रंप ने कहा, "हम पश्चिम एशिया से पूरी तरह अलग हैं, लेकिन अपने सहयोगियों की मदद के लिए वहां मौजूद हैं।"ट्रंप ने यह भी दावा किया कि इस कार्रवाई में ईरान की सैन्य नेतृत्व संरचना को बड़ा झटका लगा है और इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स को भारी क्षति पहुंचाई गई है। उन्होंने इसे अमेरिकी सशस्त्र बलों की "तेज, निर्णायक और जबरदस्त जीत" करार दिया।संबोधन के दौरान ट्रंप ने अपने आलोचकों पर भी निशाना साधा और व्यंग्यात्मक अंदाज में 'किंग' कहे जाने पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, "अगर मैं राजा होता तो कई काम और तेजी से कर सकता था," और प्रशासनिक बाधाओं पर तंज कसा। इसी बीच, इमैनुएल मैक्रों को लेकर की गई उनकी टिप्पणी ने भी सुर्खियां बटोरी हैं। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में ट्रंप मैक्रों के निजी जीवन पर टिप्पणी करते और उनका मजाक उड़ाते नजर आए, जिस पर कार्यक्रम में मौजूद लोग हंस पड़े। इस बयान के बाद कूटनीतिक हलकों में हलचल देखी जा रही है।अपने संबोधन की शुरुआत में ट्रंप ने नासा को आर्टेमिस-II मिशन के सफल प्रक्षेपण के लिए बधाई दी। उन्होंने इसे अमेरिका की अंतरिक्ष उपलब्धियों में एक ऐतिहासिक कदम बताया और वैज्ञानिकों व अंतरिक्ष यात्रियों की सराहना की।

संपादक की कलम से

भारत सहित पूरी दुनिया आज जल संकट की ओर बढ़ रही है। जिस पानी को हम रोजमर्रा की जरूरत का साधारण संसाधन मानते हैं, वही धीरे-धीरे दुर्लभ होता जा रहा है। बढ़ती आबादी, अनियोजित शहरीकरण, जल स्रोतों का अंधाधुंध दोहन और जलवायु परिवर्तन ने इस संकट को और गहरा बना दिया है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले वर्षों में यह समस्या भयावह रूप ले सकती है।भारत में कई शहर पहले ही जल संकट का सामना कर रहे हैं। गर्मियों के मौसम में पानी की कमी आम बात हो जाती है। गांवों में महिलाएं और बच्चे कई किलोमीटर दूर जाकर पानी लाने को मजबूर हैं, जबकि शहरों में भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। यह स्थिति केवल प्राकृतिक कारणों से नहीं, बल्कि हमारी लापरवाही का भी परिणाम है।सबसे बड़ी समस्या है जल का दुरुपयोग और संरक्षण के प्रति उदासीनता। हम बिना सोचे-समझे पानी बहाते हैं, लीकेज को नजरअंदाज करते हैं और वर्षा जल संचयन (rainwater harvesting) जैसे सरल उपायों को अपनाने में रुचि नहीं दिखाते। उद्योगों और कृषि क्षेत्र में भी पानी का अत्यधिक और असंतुलित उपयोग हो रहा है। पारंपरिक जल स्रोत जैसे तालाब, कुएं और झीलें या तो सूख चुके हैं या अतिक्रमण का शिकार हो गए हैं।जलवायु परिवर्तन ने भी इस संकट को और जटिल बना दिया है। अनियमित वर्षा, सूखा और बाढ़ जैसी परिस्थितियाँ जल प्रबंधन को चुनौतीपूर्ण बना रही हैं। इससे न केवल पानी की उपलब्धता प्रभावित हो रही है, बल्कि खाद्य सुरक्षा और अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ रहा है। इस समस्या का समाधान केवल सरकार के प्रयासों से संभव नहीं है। इसमें आम नागरिकों की भागीदारी भी उतनी ही आवश्यक है। हमें अपने स्तर पर पानी की बचत करनी होगी, वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना होगा और जल स्रोतों के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। स्कूलों और समाज में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना भी जरूरी है। सरकार को भी दीर्घकालिक योजनाएं बनानी होंगी। जल प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग, पुराने जल स्रोतों का पुनर्जीवन, और सख्त नियमों का पालन सुनिश्चित करना समय की मांग है।

सुप्रीम कोर्ट की फटकार से ममता सरकार घिरी
अधिकारियों से मांगा जवाब

पश्चिम बंगाल के मालदा में न्यायिक अधिकारियों को घेरने की घटना पर सर्वोच्च न्यायालय ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कानून-व्यवस्था को विफल बताया। अधिकारियों को नोटिस जारी किए गए और सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए गए। इस घटना से चुनावी माहौल में सरकार की छवि पर असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों के बीच कानून-व्यवस्था को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। तृणमूल कांग्रेस सरकार पहले से ही विपक्ष के निशाने पर रही है, लेकिन अब न्यायपालिका की सख्त टिप्पणियों ने इस मुद्दे को और संवेदनशील बना दिया है। सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर तीखी टिप्पणी करते हुए इसे “पूरी तरह पटरी से उतरी” स्थिति बताया है, जो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है।यह मामला मालदा जिले में घटी एक गंभीर घटना से जुड़ा है, जहां विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची की समीक्षा कर रहे सात न्यायिक अधिकारियों को कई घंटों तक भीड़ ने घेरकर रखा। इनमें तीन महिला अधिकारी भी शामिल थीं। जानकारी के अनुसार, जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए थे, उन्होंने विरोध प्रदर्शन करते हुए अधिकारियों को कार्यालय से बाहर निकलने नहीं दिया। यह घटनाक्रम दोपहर से शुरू होकर देर रात तक चला, जिससे प्रशासन की तत्परता और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे।सर्वोच्च न्यायालय ने इस घटना को न केवल दुर्भाग्यिपूर्ण बल्कि सुनियोजित करार दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि यह केवल विरोध प्रदर्शन नहीं था, बल्कि न्यायिक अधिकारियों को मानसिक रूप से डराने और चुनावी प्रक्रिया में बाधा डालने का प्रयास था। न्यायालय ने दो टूक कहा कि किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जा सकती।अदालत ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए पूछा है कि उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों न की जाए। न्यायालय ने यह भी कहा कि प्रशासन के पास पहले से सूचना होने के बावजूद पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं की गई, जो कि गंभीर लापरवाही को दर्शाता है।इस घटना के बाद सर्वोच्च न्यायालय ने कई महत्वपूर्ण निर्देश भी जारी किए हैं। चुनाव आयोग को निर्देश दिया गया है कि वह केंद्रीय बलों की तैनाती सुनिश्चित करे, ताकि न्यायिक अधिकारी सुरक्षित माहौल में अपना कार्य कर सकें। साथ ही, जिन अधिकारियों को खतरा महसूस हो रहा है, उनके आवास पर भी सुरक्षा उपलब्ध कराने को कहा गया है। अदालत ने सुनवाई के दौरान भीड़ को सीमित रखने और पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं। मालदा की घटना के दौरान कलियाचक क्षेत्र में स्थिति काफी तनावपूर्ण हो गई थी। प्रदर्शनकारियों ने कार्यालय को घेर लिया, सड़कों को जाम कर दिया और जनजीवन को प्रभावित किया। देर रात अधिकारियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया, हालांकि इस दौरान उनके वाहनों पर पथराव और हमले की खबरें भी सामने आईं। राजनीतिक स्तर पर भी इस घटना को लेकर आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने राज्य सरकार को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराते हुए कहा है कि पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। विपक्ष ने इसे लोकतंत्र के लिए खतरा बताते हुए चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाए हैं। चुनाव के इस संवेदनशील दौर में सर्वोच्च न्यायालय की सख्त टिप्पणी का राजनीतिक प्रभाव पड़ सकता है। कानून-व्यवस्था का मुद्दा चुनावी बहस के केंद्र में आ सकता है, जिसका विपक्ष फायदा उठाने की कोशिश करेगा। फिलहाल, यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि राज्य सरकार इस मामले में क्या कदम उठाती है और आने वाले दिनों में इसका चुनावी समीकरणों पर क्या असर पड़ता है।

राज्यसभा पहुंचेंगे नीतीश कुमार, बिहार में बदल सकती है सियासत

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

जेडीयू प्रमुख और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 10 अप्रैल को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेंगे। सूत्रों के अनुसार, अन्य निर्वाचित सदस्य भी उसी दिन शपथ ग्रहण करेंगे। इसके लिए नीतीश कुमार 9 अप्रैल को दिल्ली रवाना होंगे। माना जा रहा है कि इस घटनाक्रम के बाद बिहार की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है।जानकारी के मुताबिक, शपथ ग्रहण के बाद नीतीश कुमार 10 अप्रैल की शाम या 11 अप्रैल की सुबह दिल्ली से पटना लौटेंगे। इसके बाद उनके मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने की संभावना जताई जा रही है। राजनीतिक हलकों में यह भी चर्चा है कि 14 अप्रैल के बाद बिहार में नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू हो सकती है, जो राज्य की सियासत में अहम मोड़ साबित होगा।हालांकि, नीतीश कुमार के करीबी सहयोगी पिछले कुछ समय से यह संकेत देते रहे हैं कि संवैधानिक प्रावधानों के तहत कोई व्यक्ति विधानसभा या विधान परिषद का सदस्य न रहते हुए भी छह महीने तक मुख्यमंत्री पद पर बना रह सकता है। इसके बावजूद मौजूदा परिस्थितियों में ऐसा होता नहीं दिख रहा है और उनके जल्द इस्तीफा देने की संभावना अधिक मानी जा रही है।इस बीच, बिहार गृह विभाग ने एक महत्वपूर्ण आदेश जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद भी नीतीश कुमार को ‘जेड प्लस’ श्रेणी की सुरक्षा मिलती रहेगी। विशेष शाखा द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि राज्यसभा सदस्य के रूप में पदभार ग्रहण करने के बाद भी उनकी सुरक्षा व्यवस्था में कोई कमी नहीं की जाएगी। यह आदेश बिहार विशेष सुरक्षा अधिनियम, 2000 के तहत उनकी सुरक्षा जरूरतों की समीक्षा के बाद जारी किया गया है। इसमें पुलिस महानिदेशक और विशेष शाखा को निर्देश दिए गए हैं कि वे उच्चतम स्तर की सुरक्षा सुनिश्चित करें। ‘जेड प्लस’ सुरक्षा भारत में सबसे उच्च श्रेणी की सुरक्षा मानी जाती है, जो आमतौर पर प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और अन्य वरिष्ठ नेताओं को प्रदान की जाती है।इस सुरक्षा व्यवस्था के तहत लगभग 55 सुरक्षाकर्मी तैनात रहते हैं, जिनमें निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ), सशस्त्र गार्ड, एस्कॉर्ट वाहन और 24 घंटे निगरानी शामिल है। गौरतलब है कि नीतीश कुमार 16 मार्च को राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए थे और 30 मार्च को उन्होंने बिहार विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था।उनका राज्यसभा में जाना बिहार की राजनीति में एक बड़े बदलाव का संकेत माना जा रहा है, जिस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

‘ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं’
रक्षा मंत्री का बड़ा बयान

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को मौजूदा वैश्विक हालात, विशेषकर पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारत के पड़ोसी देशों को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार के दुस्साहस का भारत निर्णायक और अभूतपूर्व जवाब देगा। उन्होंने बिना किसी देश का नाम लिए संकेत दिया कि वर्तमान परिस्थितियों में भारत का कोई पड़ोसी अवसर का लाभ उठाने की कोशिश कर सकता है, लेकिन ऐसी स्थिति में भारतीय सेना पूरी मजबूती के साथ जवाब देने के लिए तैयार है। केरल में आयोजित सैनिक सम्मान सम्मेलन को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि “अगर कोई दुस्साहस करता है, तो भारत की कार्रवाई अभूतपूर्व और निर्णायक होगी।” उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि “ऑपरेशन सिंदूर” अभी समाप्त नहीं हुआ है, जिससे यह संकेत मिलता है कि भारत अपनी सुरक्षा नीति को लेकर पूरी तरह सतर्क और सक्रिय है। माना जा रहा है कि उनका यह बयान परोक्ष रूप से पाकिस्तान की ओर इशारा था, जिसके साथ हाल के समय में तनाव की स्थिति बनी रही है। रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में भारतीय नौसेना की भूमिका की भी सराहना की। उन्होंने बताया कि भारतीय नौसेना के जहाज रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जलडमरूमध्य क्षेत्रों में देश के तेल टैंकरों को सुरक्षित निकालने का कार्य कर रहे हैं, ताकि ऊर्जा आपूर्ति बाधित न हो। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक स्तर पर ऊर्जा आपूर्ति को लेकर चिंताएं बढ़ी हुई हैं। ईंधन संकट की अफवाहों को खारिज करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि देश में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि कुछ तत्व जानबूझकर झूठी खबरें फैलाकर जनता में डर और भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भारत किसी भी संभावित ऊर्जा संकट से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है और सरकार स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। इसके साथ ही रक्षा मंत्री ने विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस तरह के संवेदनशील समय में सभी को देशहित में एकजुट होना चाहिए, लेकिन कुछ लोग छोटी राजनीति में उलझे हुए हैं, जो दुर्भाग्यिपूर्ण है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक रहते और काम करते हैं, जिनमें केरल के लोग भी शामिल हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि भारत सरकार अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठाने को तैयार है और किसी भी आपात स्थिति में उन्हें सुरक्षित वापस लाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा हालात तेजी से बदल रहे हैं और भारत अपनी सामरिक तैयारी को और मजबूत कर रहा है।

भारती एयरटेल का वैश्विक दबदबा

बनी दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी

भारती एयरटेल ने वैश्विक दूरसंचार क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि वह अब मोबाइल ग्राहक आधार (सब्सक्राइबर बेस) के मामले में दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी बन गई है। यह जानकारी जीएसएमए इंटेलिजेंस के ताज़ा आंकड़ों के आधार पर साझा की गई है।गौरतलब है कि ग्लोबल सिस्टम फॉर मोबाइल कम्युनिकेशंस (जीएसएमए) दुनिया भर के मोबाइल ऑपरेटरों और दूरसंचार कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाला प्रमुख वैश्विक संगठन है, जिसके आंकड़ों को इस क्षेत्र में बेहद विश्वसनीय माना जाता है। कंपनी के अनुसार, जीएसएमए इंटेलिजेंस द्वारा जारी आंकड़ों में भारती एयरटेल को ग्राहक संख्या के आधार पर दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है, जो उसकी लगातार बढ़ती वैश्विक उपस्थिति को दर्शाता है।एयरटेल वर्तमान में भारत और अफ्रीका के कई देशों में अपनी सेवाएं प्रदान कर रही है। कंपनी ने बताया कि 31 मार्च तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, भारत में उसके 36.8 करोड़ से अधिक मोबाइल ग्राहक हैं। वहीं, अफ्रीका के 14 देशों में कंपनी के 17.9 करोड़ से अधिक ग्राहक हैं। इस प्रकार कुल ग्राहक आधार ने उसे वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है।कंपनी के कार्यकारी वाइस चेयरमैन गोपाल विट्टल ने इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि एयरटेल नवाचार, विश्वसनीयता और बेहतर सेवा अनुभव के माध्यम से ग्राहकों का विश्वास जीतने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा, "हम हर ग्राहक के साथ अपने संबंध को मजबूत बनाने और उन्हें बेहतर मूल्य प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।" एयरटेल केवल पारंपरिक दूरसंचार सेवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि डिजिटल कनेक्टिविटी को विस्तार देने के लिए नई तकनीकों और वैश्विक साझेदारियों पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है। कंपनी ने बताया कि वह यूटेलसैट वनवेब और स्पेसएक्स के साथ रणनीतिक साझेदारी के जरिए दूर-दराज के क्षेत्रों में इंटरनेट सेवाएं पहुंचाने का प्रयास कर रही है। इन पहलों का उद्देश्य डिजिटल खाई को कम करना और उन इलाकों तक कनेक्टिविटी पहुंचाना है। एयरटेल की यह उपलब्धि न केवल भारत के दूरसंचार क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है, बल्कि यह वैश्विक स्तर पर भारतीय कंपनियों की बढ़ती ताकत को भी दर्शाती है। तेजी से बदलती तकनीकी दुनिया में एयरटेल का यह विस्तार और नवाचार उसे आने वाले समय में और अधिक मजबूत बना सकता है। कुल मिलाकर, ग्राहक आधार में यह वृद्धि एयरटेल की मजबूत रणनीति, व्यापक नेटवर्क और बेहतर सेवा गुणवत्ता का परिणाम मानी जा रही है, जिसने उसे वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाई है।

डोपिंग मामले में बड़ी कार्रवाई, पाक भारोत्तोलन अधिकारियों पर आजीवन प्रतिबंध

खेल पंचाट के डोपिंग रोधी विभाग (CAS ADD) ने पाकिस्तान भारोत्तोलन से जुड़े बड़े डोपिंग घोटाले में सख्त कार्रवाई करते हुए महासंघ के निलंबित प्रमुख हाफिज इमरान बट और कोच इरफान बट पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया है। दोनों पर 2014 से 2016 के बीच खिलाड़ियों, यहां तक कि नाबालिगों को भी प्रतिबंधित पदार्थ देने का गंभीर आरोप साबित हुआ है। CAS ADD ने अपने फैसले में कहा कि हाफिज और इरफान बट पाकिस्तान में बड़े पैमाने पर हुए डोपिंग नेटवर्क के प्रमुख सूत्रधार थे और उन्होंने खिलाड़ियों को स्टेरॉयड सहित कई प्रतिबंधित पदार्थ दिए। संस्था ने उनके आचरण को अत्यंत गंभीर बताते हुए अधिकतम सजा यानी आजीवन प्रतिबंध लगाया है। इस फैसले के बाद दोनों किसी भी विश्व डोपिंग रोधी संहिता के तहत आयोजित प्रतियोगिता या गतिविधि में किसी भी रूप में भाग नहीं ले सकेंगे। इसी मामले में पाकिस्तानी भारोत्तोलक अबुबाकर गनी पर भी चार साल का प्रतिबंध लगाया गया है। गनी 2021 में ताशकंद में आयोजित विश्व चैंपियनशिप के दौरान डोप परीक्षण में 'टैमोक्सीफेन मेटाबोलाइट' जैसे प्रतिबंधित पदार्थ के लिए पॉजिटिव पाए गए थे। जांच के दौरान उन्होंने सफाई के लिए नकली चिकित्सा दस्तावेज जमा किए, जिसके चलते उन पर डोपिंग प्रक्रिया में छेड़छाड़ का अतिरिक्त आरोप भी लगा। गनी पर लगाया गया प्रतिबंध 6 मार्च 2026 से 5 मार्च 2030 तक प्रभावी रहेगा। उल्लेखनीय है कि वह पहले भी डोपिंग उल्लंघन के लिए दो साल का प्रतिबंध झेल चुके हैं। CAS ADD ने अपने आदेश में पाकिस्तान भारोत्तोलन महासंघ के खिलाफ अतिरिक्त कार्रवाई के संकेत भी दिए हैं। संस्था ने कहा कि महासंघ के कई खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ डोपिंग उल्लंघनों में शामिल पाए गए हैं। फिलहाल महासंघ पहले से ही एक साल के निलंबन का सामना कर रहा है।

एमएस धोनी की धमाकेदार वापसी के संकेत, मैदान पर उतरने को तैयार 'कैप्टन कूल'

फीफा वर्ल्ड कप 2026: फाइनल टिकट महंगे, 10,990 डॉलर तक पहुंची कीमत

फीफा ने 11 जून से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में शुरू होने वाले फुटबॉल विश्व कप 2026 के लिए फाइनल मुकाबले के टिकटों की नई कीमतों की घोषणा कर दी है। 48 टीमों वाले इस विस्तारित टूर्नामेंट के फाइनल टिकट की अधिकतम कीमत बढ़ाकर 10,990 अमेरिकी डॉलर कर दी गई है, जो पहले घोषित दर से काफी अधिक है।फीफा के अनुसार, दिसंबर में ड्रॉ के बाद जब प्रारंभिक टिकट बिक्री शुरू हुई थी, तब श्रेणी-1 के टिकट की कीमत 8,680 डॉलर थी। अब इसमें उल्लेखनीय बढ़ोतरी की गई है। वहीं, न्यू जर्सी के ईस्ट रदरफोर्ड स्थित मेटलाइफ स्टेडियम में 19 जुलाई को खेले जाने वाले फाइनल मैच के लिए श्रेणी-2 टिकट की कीमत 7,380 डॉलर तय की गई है, जो पहले 5,575 डॉलर थी।इसी तरह, श्रेणी-3 टिकट की कीमत बढ़ाकर 5,785 डॉलर कर दी गई है, जो पिछली कीमत से 4,185 डॉलर अधिक है। टिकट दरों में इस बढ़ोतरी को लेकर खेल प्रशंसकों में मिश्रित प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है।फीफा इस बार टिकट बिक्री के लिए 'डायनामिक प्राइसिंग' मॉडल अपना रहा है, जिसके तहत मांग और उपलब्धता के आधार पर कीमतों में बदलाव किया जा रहा है। बुधवार रात तक ग्रुप चरण के 72 मैचों में से केवल 17 मैचों के टिकट ही बिक्री के लिए उपलब्ध थे, जबकि नॉकआउट चरण के किसी भी मुकाबले के टिकट अभी जारी नहीं किए गए हैं।यह विश्व कप कई मायनों में खास है, क्योंकि पहली बार 48 टीमें इसमें भाग ले रही हैं और तीन देश मिलकर इसकी मेजबानी कर रहे हैं। टूर्नामेंट अमेरिका के 11 शहरों के अलावा मैक्सिको के तीन और कनाडा के दो शहरों में आयोजित किया जाएगा।

पंत की बल्लेबाजी क्रम पर सवाल

केविन पीटरसन बोले—'टॉप ऑर्डर में दबाव में दिख रहे हैं'

केविन पीटरसन ने ऋषभ पंत की बल्लेबाजी क्रम को लेकर सवाल उठाते हुए कहा है कि शीर्ष क्रम में खेलना उनके लिए फिलहाल फायदेमंद नहीं दिख रहा। उनका मानना है कि शीर्ष तीन में बल्लेबाजी करने से पंत अपने खेल का आनंद लेने के बजाय खुद पर अनावश्यक दबाव बना रहे हैं। आईपीएल के एक मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान पंत सलामी बल्लेबाज के रूप में उतरे, लेकिन वह केवल सात रन बनाकर रन आउट हो गए। इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ को छह विकेट से हराया। पंत के जल्दी आउट होने से टीम पर दबाव बढ़ गया और लखनऊ की बल्लेबाजी लय हासिल नहीं कर सकी। मैच के बाद पंत ने संकेत दिए थे कि वह इस सत्र में शीर्ष क्रम में खेलने की योजना बना रहे हैं, ताकि टीम को आक्रामक शुरुआत मिल सके। हालांकि, पीटरसन इस रणनीति से सहमत नहीं हैं। उन्होंने कहा कि पंत जैसे स्वाभाविक आक्रामक बल्लेबाज को ऐसे स्थान पर खेलना चाहिए जहां वह बिना दबाव के अपने शॉट्स खेल सकें। पीटरसन के अनुसार, पंत की सबसे बड़ी ताकत उनकी स्वाभाविक खेल शैली और स्वतंत्र बल्लेबाजी है, जो उन्हें मध्य क्रम में अधिक प्रभावी बनाती है। उन्होंने कहा कि शीर्ष क्रम में जल्दी रन बनाने का दबाव और नई गेंद का सामना करना उनके खेल को प्रभावित कर सकता है। "जब आप आनंद के साथ खेलते हैं, तभी आपका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सामने आता है," पीटरसन ने कहा। टीम प्रबंधन को पंत की भूमिका पर पुनर्विचार करना चाहिए, खासकर तब जब वह टीम के कप्तान भी हैं। कप्तानी की जिम्मेदारी के साथ-साथ बल्लेबाजी क्रम में बदलाव का दबाव उनके प्रदर्शन पर असर डाल सकता है। आईपीएल जैसे प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट में सही बल्लेबाजी क्रम बेहद अहम होता है। ऐसे में आने वाले मैचों में यह देखना दिलचस्प होगा कि पंत और लखनऊ टीम प्रबंधन अपनी रणनीति में बदलाव करते हैं या नहीं।

दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज रासी वैन डर डुसेन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज रासी वैन डर डुसेन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। 37 वर्षीय इस खिलाड़ी का क्रिकेट साउथ अफ्रीका (CSA) के साथ 2026-27 सीजन के लिए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट रिन्यू नहीं किया गया था, जिसके बाद उन्होंने यह बड़ा फैसला लिया। डुसेन पिछले सात महीनों से राष्ट्रीय टीम से बाहर थे और उन्होंने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच अगस्त 2025 में खेला था। गुरुवार सुबह डुसेन ने इंस्टाग्राम पर भावुक पोस्ट साझा करते हुए अपने संन्यास की जानकारी दी। उन्होंने लिखा, "भारी मन के साथ मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर रहा हूं। प्रोटियाज की जर्सी पहनना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है।" हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे घरेलू टीम 'लायंस' के लिए खेलना जारी रखेंगे और दुनिया भर की फ्रेंचाइजी लीग्स में भी हिस्सा लेते रहेंगे।वनडे क्रिकेट में डुसेन का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा। उन्होंने 71 मैचों में लगभग 52 की औसत से रन बनाए, जो दक्षिण अफ्रीका के महान बल्लेबाज एबी डिविलियर्स के बाद दूसरा सर्वश्रेष्ठ औसत है। अपने करियर में उन्होंने 6 शतक और 17 अर्धशतक लगाए। खास बात यह रही कि 2019 में डेब्यू के बाद शुरुआती 9 मैचों में ही 5 अर्धशतक लगाकर उन्होंने टीम में अपनी जगह मजबूत कर ली थी। 2019 विश्व कप के दौरान भी डुसेन ने अहम भूमिका निभाई थी और टीम के लिए दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। इसके अलावा 2023 विश्व कप और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में भी उनका प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा और वे टीम के प्रमुख स्कोररों में शामिल रहे। हालांकि टेस्ट क्रिकेट में उनका प्रदर्शन उतना प्रभावशाली नहीं रहा। उन्होंने 18 टेस्ट मैचों में 6 अर्धशतक लगाए, लेकिन एक भी शतक नहीं बना सके। एक बार वे 98 रन पर आउट होकर शतक से चूक गए थे। 2021-22 के ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद उन्हें टेस्ट टीम से बाहर कर दिया गया था। संन्यास के बाद डुसेन अब युवा खिलाड़ियों को मार्गदर्शन देने की भूमिका निभाना चाहते हैं।

ईरान गए इंडियन ने बताई कहानी

पुलवामा के बाइकर की जांबाजी

कश्मीर से बाइक पर निकले एक भारतीय बाइकर की कहानी इन दिनों चर्चा में है. ईरान, इराक और अफगानिस्तान जैसे देशों में उन्हें ऐसी मेहमाननवाजी मिली.आखिर कौन हैं ये बाइकर और क्या है उनकी पूरी कहानी, जानिए इस रिपोर्ट में...

प्रणय उपाध्याय, आजतक

कश्मीर से निकले एक भारतीय बाइकर ने अपनी मोटरसाइकिल यात्रा के दौरान इराक, ईरान और अफगानिस्तान में मिली अनोखी मेहमाननवाजी की कहानी शेयर की है. आजतक के संवाददाता प्रणय उपाध्याय के साथ बातचीत

उमर इकबाल ने अपने अनुभवों से लोगों को चौंका दिया.

में बाइकर ने बताया कि कई जगहों पर बॉर्डर चेकिंग तक नहीं हुई और लोग खुद आगे बढ़कर उन्हें खाना और ठहरने की जगह देते रहे. इस बाइकर, उमर इकबाल, ने अपने अनुभवों से लोगों को चौंका दिया. उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान कई बार उन्हें सामान्य चेकिंग से भी नहीं गुजरना पड़ा. उनके मुताबिक, जैसे ही लोगों को पता चलता था कि वह भारत से हैं, उनका व्यवहार और भी ज्यादा अपनापन भरा हो जाता था. उमर ने कहा कि जब लोगों ने सुना कि मैं इंडिया से हूं, तो मेरी बाइक को टच तक नहीं किया. कोई चेकिंग नहीं हुई. उन्होंने यह भी बताया कि कई जगहों पर लोग खुद आगे आकर उन्हें खाना ऑफर करते थे और रुकने के लिए जगह देते थे. हर जगह उन्हें एक मेहमान की तरह सम्मान मिला. हालांकि, उनकी यात्रा का एक डरावना पहलू भी सामने आया. पुलवामा, कश्मीर के 27 वर्षीय उमर इकबाल ने ईरान में अमेरिका-ईरान तनाव के दौरान अपने अनुभव साझा किए. उन्होंने बताया कि एक समय वह खाली हाईवे पर बाइक चला रहे थे, तभी उनके ऊपर से बार-बार मिसाइलें गुजर रही थीं. ⊙

तेल अवीव के आसमान में कौओं का झुंड?

जब भी जंग का माहौल बनता है, उसके साथ प्रोपेगेंडा भी तेजी से फैलने लगता है. ऐसी कई खबरें सामने आती हैं, जिनमें सच और झूठ का फर्क करना मुश्किल हो जाता है. पिछले कुछ दिनों से एक ऐसा ही वीडियो चर्चा में है, जिसे तेल अवीव का बताया जा रहा है. दावा किया जा रहा है कि शहर के आसमान में हजारों कौए मंडरा रहे हैं. वीडियो में आसमान काले झुंड जैसा नजर आता है. ⊙

आज की तस्वीर

मौत की सजा वाला बिल

इज़रायल की संसद ने एक अहम फैसला लेते हुए घातक हमलों में दोषी पाए गए फ़िलिस्तीनियों के लिए मौत की सजा देने वाले बिल को मंजूरी दे दी है. इस फैसले के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहस तेज हो गई है. मानवाधिकार संगठनों ने चिंता जताई है, वहीं इज़राइल इसे सुरक्षा के लिए जरूरी कदम बता रहा है. (फोटो: AFP)

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था वीडियो

'इंडस्ट्री प्लांट' कहकर ट्रोल हुईं पुजारिनी प्रधान

सोशल मीडिया की दुनिया में हर दिन नए चेहरे सामने आते हैं, लेकिन कुछ कहानियां अलग छाप छोड़ जाती हैं.

पुजारिनी प्रधान की कहानी भी ऐसी ही है. ग्रामीण बंगाल में रहने वाली पुजारिनी ने अपनी साधारण जिंदगी को ही कंटेंट बनाया और देखते ही देखते लाखों लोगों का ध्यान खींच लिया. उनके वीडियो में न ग्लैमर है, न भारी प्रोडक्शन, बल्कि घर, रसोई और रोजमर्रा के छोटे-छोटे पल हैं, जो लोगों को जुड़ाव का एहसास कराते हैं. इसी सादगी के कारण उन्हें सोशल मीडिया पर अच्छी-खासी लोकप्रियता मिली, लेकिन अब यही उनकी पहचान सवालों के घेरे में आ गई है. इंटरनेट पर कुछ यूजर्स उन्हें 'इंडस्ट्री प्लांट' कह रहे हैं. यानी यह आरोप लगाया जा रहा है कि उनकी

सफलता के पीछे कोई बड़ी एजेंसी और सोची-समझी रणनीति काम कर रही है, और उन्हें एक ब्रांड की तरह तैयार किया गया है.

यह विवाद तब शुरू हुआ जब कुछ लोगों ने उनके पुराने वीडियो और तेजी से बढ़ते फॉलोअर्स पर सवाल उठाए. आलोचकों का कहना है कि इतनी जल्दी इतनी बड़ी पहुंच हासिल करना आसान नहीं होता, जब तक इसके पीछे कोई मजबूत टीम न हो. ⊙

'कृष का गाना सुनेगा' वाले की किस्मत पलटी

सोशल मीडिया के दौर में कब किसकी किस्मत पलट जाए, यह कहना मुश्किल है. एक वायरल रील किसी को रातों-रात स्टार बना देती है.

कुछ ऐसा ही हुआ 'धूम' यानी पिंटू प्रसाद के साथ. धूम, जिनका असली नाम पिंटू प्रसाद बताया जा रहा है, बिहार के छपरा जिले के रहने वाले हैं. साधारण पृष्ठभूमि से आने वाले पिंटू अचानक तब सुर्खियों में आए, जब उनकी एक छोटी सी वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो गई. दरअसल, 'क्रिस का गाना' वाले ट्रेंड में उनकी एक क्लिप तेजी से शेयर होने लगी.

इस वीडियो में उनके एक्सप्रेशन और अंदाज ने लोगों का ध्यान

खींच लिया. देखते ही देखते यह क्लिप इतनी वायरल हुई कि हर तीसरी-चौथी रील में वही नजर आने लगे. यहीं से उन्हें 'धूम' नाम मिला और वह इंटरनेट सेंसेशन बन गए. अब एक बार फिर धूम चर्चा में हैं, लेकिन इस बार वजह कुछ और है. ⊙

1.6 लाख फीस है 'टाओटाओ' के किंडरगार्टन की

इंसानों से भी लग्जरी है डॉगी की लाइफ

चीन से एक ऐसी खबर सामने आई है, जिसने लोगों को हैरान कर दिया है. टाओटाओ नाम की युवती अपने 6 महीने के सैमोयड कुत्ते को लेकर चर्चा में हैं.

शंघाई में रहने वाली यह युवती अपने पालतू को एक लग्जरी डॉग किंडरगार्टन भेज रही हैं और इसके लिए हर महीने करीब 12 हजार युआन, यानी लगभग 1.6 लाख रुपये खर्च कर रही हैं. टाओटाओ का कहना है कि वह नौकरी में काफी व्यस्त रहती हैं और अपने डॉगी को पर्याप्त समय नहीं दे पातीं. इसी वजह से उन्होंने यह फैसला लिया, ताकि उनके पालतू की देखभाल सही तरीके से हो सके. उनके मुताबिक, यह सिर्फ खर्च नहीं बल्कि अपने पालतू की भलाई के

लिए लिया गया एक जरूरी कदम है.साउथ मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक,यह डॉग किंडरगार्टन कोई सामान्य डे-केयर सेंटर नहीं है, बल्कि एक प्रीमियम सुविधा है. यहां कुत्तों का पर्सनैलिटी और टेम्परामेंट टेस्ट किया जाता है, ताकि उनके स्वभाव को बेहतर तरीके से समझा जा सके. इसके साथ ही बिहेवियर ट्रेनिंग दी जाती है, जिससे भौंकने या आक्रामकता जैसी आदतों को कंट्रोल किया जा सके.इतना ही नहीं, यहां कुत्तों को दूसरे कुत्तों के साथ खेलने और घुलने-मिलने का मौका भी मिलता है, जिससे उनका सामाजिक व्यवहार बेहतर होता है. डेली बोर्डिंग के साथ पिकअप और छोड़ने की सुविधा भी दी जाती है.

इसके अलावा, मालिक और पालतू के बीच संबंध मजबूत करने के लिए खास इंटरैक्शन क्लास भी होती हैं. ⊙

लखनऊ सुपर जायंट्स की हार के बाद कप्तान

ऋषभ पंत और संजीव गोयनका के बीच मैदान पर तीखी बातचीत

IPL-2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स और दिल्ली कैपिटल्स के मैच में LSG को 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। मैच के बाद कप्तान ऋषभ पंत और टीम मालिक संजीव गोयनका के बीच तीखी बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। यह घटना टीम में मालिक-कप्तान तालमेल पर सवाल उठाती है।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ। IPL-2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) और दिल्ली कैपिटल्स के बीच हुए रोमांचक मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। इस मुकाबले में लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत केवल 7 रन ही बना पाए। हालांकि पंत रनआउट का शिकार नहीं हुए, बावजूद इसके टीम का स्कोर कप्तान की ओर से उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। मैच खत्म होने के बाद का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में कप्तान ऋषभ पंत और टीम के मालिक संजीव गोयनका के बीच मैदान पर गहन और तीखी बातचीत दिखाई दे रही है। इस बातचीत में टीम के हेड कोच जस्टिन लैंगर गंभीर मुद्रा में खड़े दिखाई दे रहे हैं। वहीं, टॉम मूडी, जो टीम के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट हैं, भी बातचीत के दौरान उपस्थित थे।वीडियो में ऋषभ पंत कुछ स्पष्टीकरण देते नजर आते हैं, जबकि संजीव गोयनका हाथ की मुद्राओं के साथ प्रतिक्रिया देते हैं। वीडियो का ऑडियो उपलब्ध नहीं है, लेकिन सोशल मीडिया पर इस वीडियो को लेकर दर्शकों और फैंस की प्रतिक्रियाएँ तीखी रही हैं। लोग इसे काफी 'एनिमेटेड' और भावनाओं से भरा करार दे रहे हैं।यह कोई पहला मामला नहीं है जब LSG के मालिक और कप्तान के बीच मैदान पर इस तरह की बातचीत सामने आई हो। सीजन की शुरुआत से पहले गोयनका और पंत ने अयोध्या स्थित राम जन्मभूमि मंदिर में एक-दूसरे को गले लगाया था, जो दोनों के बीच सुलझे हुए संबंधों का प्रतीक माना गया। लेकिन मैच हारने के बाद यह वीडियो पिछले सीजन की याद ताजा कर गया॥ P L में लखनऊ सुपर जायंट्स के पहले मैच के बाद भी संजीव गोयनका और कप्तान ऋषभ पंत के बीच बातचीत चर्चा में रही थी। इसके अलावा, पिछले सीज़न में केएल राहुल और संजीव गोयनका के बीच भी मैदान पर तनावपूर्ण स्थिति देखी गई थी। पुणे की टीम से खेलते हुए धोनी को कप्तानी से हटाने का निर्णय भी इसी तरह के विवादास्पद फैसलों में शामिल रहा।2024 में भी LSG के मालिक संजीव गोयनका की तत्कालीन कप्तान केएल राहुल से बहस हुई थी। उस समय 9 सेकेंड का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें गोयनका की गुस्से भरी प्रतिक्रिया और राहुल की शांत प्रतिक्रिया देखने को मिली थी।इस बार भी सोशल मीडिया पर वीडियो तेजी से साझा किया जा रहा है। फैंस और क्रिकेट प्रेमियों ने संजीव गोयनका की इस प्रतिक्रिया पर नाराजगी जताई है। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने कहा कि हार का भावनात्मक असर गोयनका पर साफ दिखाई दे रहा था। यह घटना LSG टीम की आंतरिक रणनीति और कप्तान के निर्णयों पर भी प्रश्न उठाती है। साथ ही, टीम के भविष्य के लिए यह संकेत है कि मालिक और कप्तान के बीच तालमेल बनाए रखना कितना महत्वपूर्ण है।यह देखना दिलचस्प होगा कि इस वायरल वीडियो और सोशल मीडिया प्रतिक्रियाओं का LSG प्रबंधन और कप्तान ऋषभ पंत के बीच आगामी मैचों और टीम रणनीति पर क्या असर पड़ता है।

मौसम विभाग का अलर्ट अगले पांच दिन में उतार-चढ़ाव की संभावना

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

राजधानी लखनऊ में गुरुवार को सुबह से तेज धूप और साफ मौसम बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, दिन के समय तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है, जबकि न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। यह तापमान पिछले कुछ दिनों की तुलना में गर्मी का संकेत देता है, लेकिन धूप और हल्की हवा के कारण मौसम में राहत बनी हुई है।पिछले बुधवार को लखनऊ का अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 20 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। वहीं, अधिकतम आर्द्रता 70 प्रतिशत और न्यूनतम आर्द्रता 40 प्रतिशत रही। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले तीन दिनों तक आर्द्रता इसी स्तर पर बनी रहेगी। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले पांच दिनों के दौरान मौसम में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। शनिवार को बादलों की मौजूदगी रहने की संभावना है। इसके बाद रविवार को तेज बारिश होने की संभावना जताई गई है। लखनऊ और आसपास के क्षेत्रों में बारिश के कारण तापमान में गिरावट और मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। विशेष रूप से 3 और 4 अप्रैल के बीच पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय रहेगा। इसके चलते प्रदेश के कुछ हिस्सों में तेज हवा चल सकती है और कहीं-कहीं हल्की बारिश भी हो सकती है। मौसम विभाग ने लोगों से सुझाव दिया है कि तेज धूप और अचानक मौसम परिवर्तन के दौरान सतर्क रहें। सामान्यतः मौसम विभाग का अनुमान है कि अप्रैल के पहले सप्ताह में तापमान में उतार-चढ़ाव रहेगा, जबकि बादलों की गतिविधि और पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मौसम में अस्थायी बदलाव देखने को मिल सकता है। नागरिकों को सलाह दी गई है कि धूप में बाहर निकलते समय सुरक्षात्मक उपाय अपनाएं और बारिश के समय सतर्क रहें।

लखनऊ में सीएम हेल्पलाइन कर्मचारियों का प्रदर्शन, सड़कों पर उतरे 200 कर्मी

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में गुरुवार को सीएम हेल्पलाइन के करीब 200 कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन गोमतीनगर स्थित कार्यालय के बाहर सुबह करीब 9:30 बजे शुरू हुआ, जहां बड़ी संख्या में कर्मचारी एकत्र हुए और नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर बढ़ने लगे। इस दौरान इलाके में काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। प्रदर्शनकारी कर्मचारी साइबर टावर से होते हुए लोहिया पथ के रास्ते आगे बढ़े। पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए कई बार प्रयास किया, लेकिन कर्मचारी आगे बढ़ते रहे। जानकारी के अनुसार, साइबर टावर से लोहिया पार्क तक पुलिस ने चार बार प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश की, लेकिन भीड़ के आगे प्रयास विफल रहे। जैसे-जैसे प्रदर्शन आगे बढ़ा, पुलिस बल भी बढ़ाया गया।आखिरकार संगीत नाटक अकादमी के पास पुलिस ने बैरिकेडिंग कर दी और कर्मचारियों को आगे बढ़ने से रोकने का प्रयास किया। इसके बावजूद जब प्रदर्शनकारी नहीं रुके, तो पुलिस ने बल प्रयोग करते हुए उन्हें सड़क किनारे हटाना शुरू कर दिया। इस दौरान कुछ कर्मचारियों को खींचकर हटाया गया, जिससे मौके पर तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों का आरोप है कि उनके साथ कार्यस्थल पर अनुचित व्यवहार किया जा रहा है। एक कर्मचारी ने रोते हुए बताया कि कार्यालय में उनके मोबाइल फोन जमा करा लिए जाते हैं, जिससे वे बाहरी दुनिया से कट जाते हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें वादे के अनुसार वेतन नहीं दिया जा रहा है। कर्मचारियों के अनुसार,

उन्हें हर महीने अधिक वेतन देने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन उन्हें केवल 7,000 से 8,000 रुपये ही दिए जा रहे हैं। इसके अलावा, दो महीने की सैलरी भी रोक ली जाती है, जिससे उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। कर्मचारियों का कहना है कि उन्होंने कई बार प्रबंधन से शिकायत की, लेकिन उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया। प्रदर्शनकारियों ने मांग की है कि उनकी सैलरी समय पर दी जाए, वेतन बढ़ाया जाए और कार्यस्थल की स्थितियों में सुधार किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द ध्यान नहीं दिया गया, तो वे अपना आंदोलन और तेज करेंगे। फिलहाल पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित कर लिया है, लेकिन कर्मचारियों में असंतोष बना हुआ है।

गुरुवार तड़के बुलडोजर से मस्जिद जमींदोज, पीएसी तैनात

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

गुरुवार तड़के 4 बजे प्रशासन ने बक्शी का तालाब (बीकेटी) क्षेत्र के अस्ती गांव में स्थित एक मस्जिद को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। इस कार्रवाई में एडीएम और एसडीएम के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम ने तीन बुलडोजर और भारी पुलिस बल का उपयोग किया। कार्रवाई के दौरान पीएसी की दो टुकड़ियों सहित कई थानों की फोर्स तैनात रही।मस्जिद को एक घंटे के भीतर जमींदोज कर मलबा हटा दिया गया। प्रशासन ने बताया कि मस्जिद सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करके बनाई गई थी। वहीं, स्थानीय लोगों का दावा है कि यह मस्जिद लगभग 60 साल पहले बनी थी और क्षेत्र के धार्मिक जीवन का अहम हिस्सा रही है।इस मामले की कानूनी प्रक्रिया 2024 में शुरू हुई थी। तहसीलदार ने कोर्ट में याचिका दाखिल की थी, जिसमें मस्जिद हटाने और 36 हजार रुपए जुर्माने का आदेश 2025 में सुनाया गया। मस्जिद पक्ष ने तहसीलदार कोर्ट के फैसले के खिलाफ एडीएम कोर्ट में अपील की, लेकिन वहां भी याचिका खारिज हो गई। इसके बाद मस्जिद पक्ष ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने 26 मार्च को मस्जिद को हटाने का आदेश दिया। एडीएम और एसडीएम प्रशासन ने हाईकोर्ट के आदेश के

अनुसार कार्रवाई करते हुए मस्जिद को ढहाया। अधिकारियों ने कहा कि यह कदम सरकारी जमीन पर किसी भी अवैध निर्माण को हटाने के लिए उठाया गया है। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया, ताकि किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके।स्थानीय लोगों ने इस कार्रवाई पर मिश्रित प्रतिक्रिया व्यक्त की। कुछ ने इसे कानून के अनुसार उचित बताया, जबकि अन्य ने इसे धार्मिक भावनाओं के खिलाफ करार दिया। प्रशासन ने कहा कि ध्वस्त की गई जमीन अब सरकारी उपयोग के लिए सुरक्षित रखी जाएगी। इस कार्रवाई से यह स्पष्ट होता है कि लखनऊ प्रशासन अवैध कब्जों के मामलों में सख्त रवैया अपना रहा है।

लखनऊ रेस्टोरेंट में बिरयानी के विवाद से हुआ बवाल, ग्राहक घायल

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहे स्थित एक रेस्टोरेंट में बिरयानी के पीस को लेकर विवाद हो गया। जिसके बाद दुकानदार ने साथी कर्मचारियों के साथ ग्राहक पर हमला कर दिया। रेस्टोरेंट संचालक और कर्मचारियों ने लोहे की रॉड से मारपीट कर ग्राहक को गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस मुकदमा दर्ज करके मामले की जांच कर रही है। टेढ़ी पुलिया निवासी सूरज प्रजापति ने पुलिस को दी तहरीर में बताया अपने साथी मोहम्मद आमिर के साथ बुधवार रात मुगलई जायका रेस्टोरेंट पर बिरयानी पैक कराने गए थे। इस दौरान बिरयानी के पीस को लेकर उनका रेस्टोरेंट मालिक रिजवान से विवाद हो गया। सूरज ने आपत्ति जताते हुए पीस बदलने की बात कही। जिस पर रिजवान गाली-गलौज करने लगा। पीड़ित का आरोप है कि इसके बाद रिजवान ने लोहे की रॉड उठा ली और अपने साथी जमीर समेत 10-12 कर्मचारियों के साथ मिलकर उन पर हमला कर दिया। हमलावरों ने सूरज के सिर पर रॉड से वार किया। जिससे उनका सिर फट गया, वहीं हाथ पर भी लोहे की रॉड से हमला कर दिया। जिससे उसका हाथ टूट गया। गंभीर चोट लगने से सूरज मौके पर ही बेहोश हो गया। बीच-बचाव करने पहुंचे वकील देवेन्द्र प्रताप सिंह को भी आरोपियों ने नहीं बख्शा और उनके हाथ पर रॉड मार दी। जिससे वह भी गिर पड़े। घटना में मोहम्मद आमिर भी घायल होकर अचेत हो गए। घटना के बाद सभी घायल थाने पहुंचे।

लखनऊ में तीन मंजिला मकान में भीषण आग

परिवार के 6 लोग बाल-बाल बचे

लखनऊ के सरोजनी नगर क्षेत्र में गुरुवार तड़के एक ज्वेलर के तीन मंजिला मकान में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। घटना सुबह करीब 3:30 बजे दरोगा खेड़ा स्थित पार्थ रिपब्लिक अपार्टमेंट के पास हुई, जब परिवार के छह सदस्य घर में सो रहे थे। आग तेजी से फैलते हुए किचन से कमरों की ओर बढ़ी, जिससे घर में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, ज्वेलर अजय रस्तोगी (49) अपने परिवार के साथ दूसरी मंजिल पर सो रहे थे। परिवार में उनकी पत्नी अनीता वर्मा (47), बेटा विनायक (16), बेटी तन्नू (22), विवाहित बेटी शीतल वर्मा (30) और छह वर्षीय पोती विरानिका शामिल हैं। बताया जा रहा है कि मकान की तीसरी मंजिल पर बने किचन में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी, जो देखते ही देखते पूरे हिस्से में फैल गई।अजय रस्तोगी ने बताया कि उन्हें आग लगने की जानकारी तब हुई, जब पड़ोसियों ने शोर मचाया। उन्होंने सीसीटीवी फुटेज में देखा कि तीसरी मंजिल आग की चपेट में है। इसी बीच उनकी बेटी तन्नू घबराकर दूसरी मंजिल से कूद गई, जिससे वह घायल हो गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची। सरोजनीनगर और आलमबाग फायर स्टेशन से दमकल गाड़ियां भेजी गईं। दमकल कर्मियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सीढ़ियों के जरिए परिवार के पांच सदस्यों को सुरक्षित नीचे उतारा। इस दौरान मकान धू-धूकर जलता रहा।फायर ब्रिगेड ने न केवल परिवार के सदस्यों को बचाया, बल्कि घर में फंसे पालतू डॉगी को भी सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हादसे में घायल तन्नू को तत्काल सरोजनीनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। परिवार के मुखिया अजय रस्तोगी ने बताया कि इस दुर्घटना में सभी सदस्य सुरक्षित हैं, हालांकि घर का काफी सामान जलकर नष्ट हो गया। उन्होंने दमकल विभाग की तत्परता की सराहना करते हुए कहा कि समय पर मदद मिलने से

बड़ा हादसा टल गया। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है, लेकिन प्राथमिक तौर पर शॉर्ट सर्किट को ही वजह माना जा रहा है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है, वहीं स्थानीय लोग राहत कार्य में जुटे दमकल कर्मियों की सराहना कर रहे हैं।

उन्नाव में 'स्कूल चलो अभियान' की शुरुआत

शिक्षा से वंचित न रहे कोई बच्चा

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव। शैक्षिक सत्र के दूसरे दिन जनपद में 'स्कूल चलो अभियान' के अंतर्गत विकास भवन सभागार में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी गौरांग राठी और मुख्य विकास अधिकारी कृतिराज मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस अभियान का उद्देश्य विद्यालयों में अधिक से अधिक बच्चों का नामांकन सुनिश्चित करना तथा शिक्षा के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाना है। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि प्रत्येक बच्चे को विद्यालय से जोड़ना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसी क्रम में जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी ने कंपोजिट विद्यालय सिविल लाइन नवीन नगर, उन्नाव में बच्चों का नवीन नामांकन भी कराया। इस पहल से अभिभावकों और बच्चों में उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर बच्चों को निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकों का वितरण भी किया गया। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय आने, मन लगाकर पढ़ाई करने तथा अपने जीवन के लक्ष्य को निर्धारित कर उसे प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है, जो बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखता है।कार्यक्रम के दौरान जनपद में सर्वाधिक नामांकन कराने वाले विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्षों तथा संबंधित ग्राम प्रधानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही 'लर्निंग बाय डूइंग' गतिविधियों का उत्कृष्ट संचालन करने वाले पांच शिक्षकों को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों को अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि इससे बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव है।कार्यक्रम के दौरान विकास भवन सभागार में लखनऊ से आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी दिखाया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री द्वारा लिखित 'योगी की पाती' का वाचन किया गया, जिसमें बच्चों और अभिभावकों को शिक्षा के महत्व, नियमित विद्यालय आने और पढ़ाई के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया। जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में पुनः दोहराया कि 'स्कूल चलो अभियान' का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जनपद का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। उन्होंने अधिकारियों, शिक्षकों एवं संबंधित विभागों से अपील की कि वे गांव-गांव जाकर अभिभावकों को जागरूक करें और जो बच्चे पढ़ाई छोड़ चुके हैं, उन्हें पुनः विद्यालय से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास करें।कार्यक्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार पाण्डेय, डीसी सामुदायिक रुचि मिश्रा, जिला व्यायाम शिक्षिका अनीता वर्मा सहित अनुज कुमार, कामेश पाण्डेय, अनुदीप श्रीवास्तव, रचना सिंह, मुसर्रत फातिमा, अखिलेश शुक्ला, विक्रम सिंह और आलोक मिश्रा सहित बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं, अधिकारी तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन उत्साह और शिक्षा के प्रति नई प्रतिबद्धता के साथ हुआ।

गंगा एक्सप्रेस-वे पर भीषण हादसा, दो बाइकों की टक्कर में किशोर की मौत

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में गंगा एक्सप्रेस-वे के गौरा मोड़ के पास गुरुवार को एक सड़क हादसा हुआ। दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में 14 वर्षीय किशोर उपेंद्र की मौत हो गई, जबकि उसका दोस्त सुमित गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, बिहार थाना क्षेत्र के कुतुबपुर गांव निवासी उपेंद्र (14 वर्ष) अपने दोस्त सुमित के साथ बाइक से कहीं जा रहा था। इसी दौरान गौरा मोड़ के पास सामने से आ रही दूसरी बाइक से उनकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से चोटिल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने उपेंद्र को मृत घोषित कर दिया, जबकि सुमित की गंभीर हालत को देखते हुए उसका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार, घायल सुमित को गंभीर चोटें आई हैं और उसकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। मृतक उपेंद्र अपने परिवार में दो भाइयों और एक बहन में तीसरे नंबर का था। उसकी असमय मौत से परिवार में मातम छा गया है। उपेंद्र के पिता आशा राम ईंट भट्ठे पर मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। बेटे की मौत की खबर से परिजनों में गहरा शोक व्याप्त है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने दोनों बाइकों को भी कब्जे में ले लिया है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाना हादसे की मुख्य वजह मानी जा रही है।

गंगा कटान से परेशान किसानों ने सौंपा ज्ञापन

फोरलेन बांध की उठाई मांग

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

गंगा नदी के किनारे हो रहे कटान और क्षेत्रीय विकास से जुड़ी समस्याओं को लेकर जनपद के सफीपुर और बांगरमऊ तहसील के किसानों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर स्थायी समाधान की मांग उठाई है। किसानों ने गंगा तट के किनारे फोरलेन बांध निर्माण की मांग को प्रमुखता से रखा, जिससे कटान की समस्या पर नियंत्रण पाया जा सके और क्षेत्र के विकास को गति मिल सके।फलाहारी बाबा लक्ष्मी शंकर शुक्ला तथा जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में किसानों का एक प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचा। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व फलाहारी बाबा लक्ष्मी शंकर शुक्ला और जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुरेंद्र कुशवाहा ने किया। किसानों ने अपनी समस्याओं को विस्तारपूर्वक रखते हुए प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में किसानों ने आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे से लेकर बांगरमऊ और सफीपुर होते हुए परियर तक लगभग 55 किलोमीटर लंबा फोरलेन गंगा किनारे बांध निर्माण की मांग की। किसानों का कहना है कि गंगा नदी के लगातार हो रहे कटान से उनकी उपजाऊ कृषि भूमि तेजी से समाप्त हो रही है, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि कटान के चलते कई गांवों की भौगोलिक सीमाएं प्रभावित हो रही हैं, जिससे भूमि विवाद की स्थिति भी उत्पन्न हो रही है। इसके अलावा, रोजगार के सीमित अवसर और मूलभूत सुविधाओं के अभाव के कारण क्षेत्र से पलायन भी बढ़ता जा रहा है, जो चिंता का विषय है।किसानों ने स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाओं की कमी को भी गंभीर समस्या बताया। उनका कहना है कि गांवों से अस्पताल और विद्यालय काफी दूर स्थित हैं, जिसके कारण ग्रामीणों और बच्चों को 15 से 20 किलोमीटर तक का सफर तय करना पड़ता है। इससे न केवल दैनिक जीवन प्रभावित होता है, बल्कि क्षेत्र का समग्र विकास भी बाधित हो रहा है। फलाहारी बाबा लक्ष्मी शंकर शुक्ला ने जिलाधिकारी से मांग की कि इस प्रस्ताव को शासन स्तर पर अनुशंसा के साथ भेजा जाए। उन्होंने कहा कि यदि फोरलेन बांध का निर्माण होता है, तो इससे गंगा कटान पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा, गांव सुरक्षित रहेंगे और आवागमन की सुविधा बेहतर होने से क्षेत्र में विकास की नई संभावनाएं खुलेंगी। वहीं, सुरेंद्र कुशवाहा ने भी प्रशासन से इस मुद्दे पर सकारात्मक पहल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रशासन की सहमति मिलने के बाद प्रतिनिधिमंडल इस विषय को शासन स्तर पर मजबूती से उठाएगा, ताकि किसानों और ग्रामीणों की लंबे समय से चली आ रही समस्या का स्थायी समाधान हो सके।

हनुमान जयंती पर बालाजी मंदिर में आस्था का जनसैलाब,

भव्य कन्या भोज व भंडारा आयोजित

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव। श्री हनुमान जयंती के पावन अवसर पर सिविल लाइंस स्थित प्राचीन सिद्ध पीठ श्री बालाजी मंदिर में आयोजित चार दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम का समापन भव्य कन्या भोज व भंडारे के साथ हुआ। अंतिम दिवस मंदिर परिसर में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा, जहां जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।कार्यक्रम में सदर विधायक पंकज गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी, भाजपा नेता विमल द्विवेदी, नगर पालिका चेयरमैन प्रतिनिधि प्रवीण भानू मिश्रा सहित कई प्रमुख जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। वही एडिशनल एसपी अखिलेश सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट समेत अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मंदिर पहुंचकर कार्यक्रम में शामिल हुए और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।सुबह 10 बजे आरती-पूजन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इसके उपरांत कन्या पूजन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने पूरे श्रद्धा भाव से कन्याओं को भोजन कराकर पुण्य अर्जित किया। मंदिर परिसर में भक्ति गीतों, जयकारों और मंत्रोच्चार की गूंज से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। देर रात तक भंडारे का क्रम निरंतर चलता रहा, जिसमें अन्य जनपदों से आए श्रद्धालुओं ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया।श्री बाला जी मंदिर सेवा समिति के अध्यक्ष महंत गोपाल कृष्ण त्रिपाठी ने इस अवसर पर कहा कि कन्या पूजन और भंडारा भारतीय संस्कृति की सेवा भावना का प्रतीक है। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था को सुदृढ़ करता है, बल्कि समाज में समरसता और सहयोग की भावना को भी प्रोत्साहित करता है।पूरे आयोजन के दौरान मंदिर समिति के पदाधिकारियों एवं स्थानीय स्वयंसेवकों ने व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अनुशासन, भक्ति और सामाजिक समर्पण का अद्भुत संगम इस आयोजन में देखने को मिला, जिसने श्रद्धालुओं के मन में गहरी छाप छोड़ी।

मुनिष् शुक्ला जी के साथ ब्यूरो अभिषेक मिश्रा की एक विशिष्ट रिपोर्ट

जय जय श्री राम

रेल गंगापुल पर एचबीम स्लीपर डालने का काम शुरू

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

रेल गंगापुल के डाउन ट्रैक पर दो अप्रैल दिन गुरुवार से उच्च श्रेणी के स्टील से बने स्लीपर (एचबीम स्लीपर) डाले जाने का काम सुबह लगभग साढ़े नौ बजे से शुरू हो जाएगा। एचबीम स्लीपर डाले जाने का काम 13 मई तक चलेगा। जिसके लिए 42 दिनों तक रोजाना आठ घंटे का मेगा ब्लॉक रहेगा। एचबीम स्लीपर डाले जाने की सारी तैयारी पूरी कर ली गई है। इस काम को करने के लिए रोजाना 200 मजदूरों के लगाया गया है। मजदूरों के लिए सुरक्षा किट से लेकर खाना पानी तक के इंतजाम कराए गए हैं। रेल गंगापुल के डाउन ट्रैक से रेलगाई व गिट्टी हटवाने का काम कराया जा रहा है। एचबीम स्लीपर गंगापुल के कानपुर छोर पर रखवाए गए हैं। जिससे उन्हें पुल तक ले जाने में ज्यादा समय न लगे। डिप्टी चीफ ब्रिज वर्कशॉप नितिन ने बुधवार दोपहर गंगापुल के डाउन ट्रैक पर दो अप्रैल से शुरू होने वाले डाउन ट्रैक पर एचबीम स्लीपर डाले जाने के काम की तैयारी का जायजा लिया। सीनियर डीईएन प्रवेंद सिंह समेत रेल के अन्य अधिकारियों ने भी तैयारी को जांचा परखा। उन्होंने रेल अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने मजदूरों के रहने के लिए टेंट व झोपड़ियां आदि बनवाने के काम को भी देखा। उन्होंने एचबीम स्लीपर का स्टॉक भी चेक किया। सीनियर डीईएन प्रवेंद ने बताया कि 200 मजदूर एचबीम स्लीपर डाले जाने का काम करेंगे। उन्होंने बताया कि सारी तैयारी पूरी कर ली गई है। गंगाघाट रेलवे स्टेशन से मेमू व पैसेंजर ट्रेनों से लखनऊ जाने वाले यात्रियों की लगभग 42 दिनों तक परेशानी बढ़ी रहेगी। उनकी जेबों पर किराए का अतिरिक्त बोझ भी पड़ेगा। अभी गंगाघाट रेलवे स्टेशन से 20 रुपये के टिकट में यात्री लखनऊ पहुंच जाते हैं।

उन्नाव के मोहान में दर्दनाक घटना, तालाब में मिट्टी धंसने से गई जान

उन्नाव। जनपद के हसनगंज कोतवाली क्षेत्र के मोहान कस्बे में बृहस्पतिवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में 40 वर्षीय विजय कुमार प्रजापति की मौत हो गई। यह घटना दोपहर करीब एक बजे कस्बे के बाहर स्थित गौशाला के पास एक तालाब में हुई, जहां वह मिट्टी के बर्तन बनाने के लिए मिट्टी खोद रहे थे। जानकारी के अनुसार, विजय कुमार प्रजापति मिट्टी निकालने के दौरान अचानक मिट्टी की कगार धंसने से उसके नीचे दब गए। घटना के समय आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया और तत्काल मिट्टी हटाकर बाहर निकालने की कोशिश की। हालांकि, काफी देर तक दबे रहने के कारण जब तक उन्हें बाहर निकाला गया, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।घटना की सूचना मिलते ही मोहान चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।मृतक विजय कुमार प्रजापति अपने तीन भाइयों में से एक थे। उनके बड़े भाई का नाम अजय और दूसरे भाई का नाम अक्सर बताया गया है। उनकी एक विवाहित बहन भी है। विजय कुमार की शादी करीब दो वर्ष पूर्व हुई थी, जिससे परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है। इस संबंध में हसनगंज कोतवाली प्रभारी शरद कुमार ने बताया कि विजय कुमार की मृत्यु मिट्टी में दबने से हुई है। उन्होंने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले में आगे की आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर लखीमपुर में 331 विस्थापित हिंदू परिवारों का पुनर्वास

उत्तर प्रदेश में बांग्लादेश से आए 331 हिंदू परिवारों को लखीमपुर-खीरी की तीन तहसीलों में बसाया गया। उन्हें खेती के लिए भूमि दी गई और सरकारी योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, उज्ज्वला योजना, पीएम आवास, पेंशन और मनरेगा का लाभ मिला। इनसे उनके जीवन और आजीविका में सुधार हुआ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर बांग्लादेश से विस्थापित होकर आए 331 हिंदू परिवारों को लखीमपुर खीरी जिले की अलग-अलग तहसीलों के गांवों में बसाया गया है। इनमें धौरहरा तहसील के सुजानपुर गांव में 97 परिवार, मोहम्मदी तहसील के ग्राम मोहनपुर ग्रन्ट में 41 और मियांपुर गांव में सर्वाधिक 156 परिवारों को बसाया गया है। इसके अलावा गोला तहसील के गांव ग्रन्ट नंबर-3 में 37 परिवारों को बसाया गया है। इन परिवारों का पुनर्वास वर्षों पहले किया गया था और अब ये यहीं स्थायी रूप से रह रहे हैं। इन विस्थापित परिवारों को बसाने के साथ ही उन्हें खेती के लिए जमीन भी आवंटित की गई। गोला तहसील के ग्रन्ट नंबर-3 में बसे 37 परिवारों को प्रति परिवार औसतन 3 एकड़ कृषि भूमि दी गई है। धौरहरा तहसील के सुजानपुर गांव में 60 परिवारों को प्रति परिवार औसतन 1.620 हेक्टेयर और 37 परिवारों को प्रति परिवार करीब 0.607 हेक्टेयर जमीन मिली है। मोहम्मदी तहसील के मोहनपुर ग्रन्ट में 15 परिवारों को प्रति परिवार 3 एकड़, 9 परिवारों को प्रति परिवार 7 एकड़ और 17 परिवारों को प्रति परिवार 5 एकड़ कृषि भूमि का पट्टा दिया गया है। वहीं मियांपुर गांव में बसे 156 परिवारों को प्रति परिवार करीब 4.75 एकड़ जमीन दी गई है, जिससे वे खेती कर अपनी आजीविका चला रहे हैं। प्रशासन का कहना है कि इन परिवारों को केवल जमीन ही नहीं दी गई, बल्कि सरकार की कई योजनाओं का लाभ भी पहुंचाया जा रहा है। पात्रता के आधार पर मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, उज्ज्वला योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, विधवा और वृद्धावस्था पेंशन, सुकन्या समृद्धि योजना और मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह जैसी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। इसके अलावा राशन वितरण, टीकाकरण, मनरेगा, मिड-डे मील, समग्र शिक्षा योजना, स्वच्छ भारत मिशन और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के जरिए इन गांवों में बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। जिलाधिकारी लखीमपुर खीरी, दुर्गा शक्ति नागपाल ने बताया कि बांग्लादेश से विस्थापित होकर उत्तर प्रदेश पहुंचे 331 हिंदू परिवारों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर जनपद लखीमपुर की 3 तहसीलों में बसाया गया है। इन परिवारों को न सिर्फ कृषि योग्य जमीन आवंटित की गई, बल्कि राज्य व केंद्र सरकार की सभी जन-कल्याण से जुड़ी योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया गया है।

बिजनौर में पूर्व सांसद कुंवर भारतेंद्र सिंह की गाड़ी के सामने व्यापारी लेटने से हंगामा

चांदपुर रोड स्थित तालिब बंधु कारोबारी की आरा मशीन में भाजपा के पूर्व सांसद कुंवर भारतेंद्र सिंह अधिकारियों के साथ छापेमारी करने पहुंचे। जांच के दौरान फैक्ट्री मालिक और पूर्व सांसद के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो जल्द ही तीखी नोकझोंक में बदल गईहंगामा बढ़ते ही पूर्व सांसद अपनी गाड़ी में वापस लौटने लगे, तभी आक्रोशित व्यापारी उनके वाहन के सामने जमीन पर लेट गए। व्यापारी को हटाने के दौरान पुलिस और अधिकारियों को बड़ी मशक्कत करनी पड़ी। व्यापारी का सिर गाड़ी के बंपर में फंस गया और ड्राइवर ने गाड़ी पीछे करने पर उसका शरीर कुछ मीटर तक घिसटता चला गया। पुलिस ने पैर पकड़कर व्यापारी को गाड़ी के नीचे से निकालकर अलग किया। इस घटना के दौरान व्यापारी बार-बार कहता रहा, "हमको गोली मार दो।"इस घटना के समय एडीएम और वन विभाग की टीम मौके पर मौजूद थी। पूर्व सांसद ने बताया कि उनके गनर की बंदूक छीनने की कोशिश की गई और गाड़ी को रोककर शीशे तोड़ने का प्रयास हुआ। वहीं, फैक्ट्री मालिक मोहम्मद आबिद ने आरोप लगाया कि पूर्व सांसद ने उन पर गाड़ी चढ़ाने और 5 करोड़ रुपए की अवैध वसूली करने की धमकी दी। SP अभिषेक झा ने बताया कि ADM और वन विभाग की टीम जांच के लिए गई थी। जांच के दौरान कुछ लोगों द्वारा अभद्रता की गई और गाड़ी के सामने लेटने की कोशिश की गई। घटना का वीडियो प्राप्त हुआ है और शिकायत के आधार पर तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पूर्व सांसद कुंवर भारतेंद्र सिंह ने कहा कि उन्हें फैक्ट्री की बहाली का आदेश देखने के लिए बुलाया गया था।

गौतम अदाणी ने परिवार के साथ किया श्रीराम जन्मभूमि मंदिर दर्शन

देश के प्रमुख उद्योगपति गौतम अदाणी ने गुरुवार को अपने परिवार के साथ अयोध्या स्थित भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रीरामलला के दर्शन किए। यह धार्मिक और भावनात्मक अवसर हनुमान जयंती के पावन दिन पर आया। अदाणी परिवार मंदिर परिसर में लगभग 30 मिनट तक रुककर पूजा-अर्चना और दर्शन में सम्मिलित रहा, जिससे यह कार्यक्रम धार्मिक श्रद्धा और भावुकता से परिपूर्ण रहा।सूत्रों के अनुसार, अदाणी अपने परिवार के साथ सुबह अहमदाबाद से चार्टर्ड फ्लाइट के जरिए महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे। वहां से सीधे श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के लिए रवाना हुए। मंदिर परिसर में उन्हें श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चम्पत राय और अन्य पदाधिकारियों ने स्वागत किया। उन्होंने अदाणी परिवार को मंदिर के इतिहास, निर्माण प्रक्रिया और धार्मिक महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी।मंदिर में पूजा-अर्चना के दौरान अदाणी ने विधि-विधान के अनुसार आरती में भाग लिया और प्रसाद ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि श्रीरामलला के दर्शन का अवसर पाकर उन्हें और उनके परिवार को अत्यधिक खुशी और गर्व महसूस हुआ। अदाणी ने मंदिर को केवल आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि भारत की संस्कृति, एकता और आत्मविश्वास का प्रतीक बताया। उन्होंने प्रभु श्रीराम से सभी पर आशीर्वाद की प्रार्थना की। दर्शन के बाद अदाणी परिवार ने अयोध्या के निशुल्क गुरुकुल महाविद्यालय का दौरा किया। वहां उन्होंने गुरुकुल के छात्रों और अध्यापकों से मुलाकात की और उन्हें सम्मानित किया। गौतम अदाणी ने कहा कि गुरुकुल की शिक्षा और संस्कृति को संरक्षित रखना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि यह भारतीय संस्कृति और वैदिक परंपराओं को जागृत रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कानपुर किडनी ट्रांसप्लांट स्कैंडल
मरीजों को लखनऊ रेफर किया गया

किडनी ट्रांसप्लांट स्कैंडल में फंसे मरीजों और अस्पतालों को लेकर कानपुर में बड़ी कार्रवाई हुई है। किडनी रिसीवर पारुल तोमर और डोनर आयुष चौधरी को बेहतर इलाज के लिए गुरुवार सुबह लखनऊ के राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल (RMLH) के लिए रेफर कर दिया गया। करीब 10:30 बजे हैलट हॉस्पिटल की दो डॉक्टरों की टीम ने दोनों मरीजों को एम्बुलेंस में लेकर रवाना किया। लखनऊ में दोनों का इलाज अब RMLH के नेफ्रोलॉजी विभाग में किया जाएगा। किडनी ट्रांसप्लांट स्कैंडल में अब तक कुल 10 लोग शामिल पाए गए हैं। इसमें पांच डॉक्टर और एक दलाल गिरफ्तार किए जा चुके हैं। वहीं, डॉ. अफजल, डॉ. वैभव, डॉ. अनुराग और डॉ. रोहित अभी फरार हैं। पुलिस की टीम इनकी तलाश में मेरठ गई है। इसी बीच क्राइम ब्रांच ने दोपहर करीब 1 बजे डॉक्टर रोहित की टीम से दो ओटी टेक्नीशियन को गिरफ्तार किया है और उनसे पूछताछ जारी है।पुलिस के अनुसार, डॉ. अफजल मेरठ के अल्फा अस्पताल के संचालक हैं। डॉ. वैभव और डॉ. अनुराग भी मेरठ के ही निवासी हैं। डॉ. रोहित को पकड़ने के लिए दलाल शिवम काड़ा की कॉल डिटेल्स खंगाली जा रही हैं। साथ ही फरार आरोपियों के देश छोड़कर जाने की आशंका के मद्देनजर उनके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी कर दिया गया है। मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. संजय काला ने बताया कि बेहतर इलाज सुनिश्चित करने के लिए बुधवार को RMLH, KGMC और SGPGI में भर्ती के लिए पत्र लिखा गया था। देर रात RMLH ने एडमिशन की मंजूरी दी, इसके बाद मरीजों को लखनऊ रेफर किया गया।